देहरादून, गुरुवार
10 अक्टूबर, 2024
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 26

दैनिक जागरण

www.jagran.com

उत्तराखंड, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

कृषि के क्रांतिकारी बदलाव में ड्रोन की महत्वपूर्ण भूमिका

ड्रोन पायलट प्रशिक्षण केंद्र और सूचना-बिक्री काउंटर का उद्घाटन, दो शोध प्रकाशनों का विमोचन, वैज्ञानिकों का सम्मान

जागरण संवाददाता, विकासनगर: भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) के भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान देहरादून के अनुसंधान फार्म सेलाकुई में बुधवार को ड्रोन पायलट प्रशिक्षण केंद्र और सूचना व बिक्री काउंटर का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में दो शोध प्रकाशनों का विमोचन भी हुआ। संस्थान में प्रशिक्षण केंद्र और अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में उनके योगदान के लिए वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। संस्थान की एससीएसपी योजना के तहत किसानों को उन्नत बीज और खेती किट भी प्रदान की गई। आइसीएआर के प्राकृतिक संस्थान प्रबंधन के उप महानिदेशक डा. सुरेश कुमार चौधरी ने कहा कि कृषि में क्रांति लाने, रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने में ड्रोन की महत्वपूर्ण भूमिका है। ड्रोन के उपयोग से ऊबड़-खाबड़ इलाके, जनशक्ति की कमी और संसाधनों के प्रभावी उपयोग की समस्याओं का समाधान हो सकता है।

बुधवार को अनुसंधान फार्म सेलाकुई में ड्रोन पायलट प्रशिक्षण केंद्र के उद्घाटन समारोह में मंचासीन आइसीएआर के प्राकृतिक संस्थान प्रबंधन के उप महानिदेशक डा. सुरेश कुमार चौधरी व अन्य ● साभार संस्थान

यह है विशेषता

- प्रशिक्षण केंद्र प्रशिक्षित पायलटों के लिए सुरक्षा, जोखिम प्रबंधन, नियामक मानकों के अनुपालन, कौशल बढ़ाने, मरम्मत, रखरखाव, रोजगार में सहायता पर ध्यान केंद्रित करेगा।
- कृषि, बुनियादी ढांचे और आपदा प्रबंधन क्षेत्रों में ड्रोन पायलटों की बढ़ती मांग के साथ, यह पहल विशेष रूप से ग्रामीण समुदायों में युवाओं के लिए नए रोजगार के अवसर पैदा करेगी।
- ड्रोन पायलट प्रशिक्षण केंद्र व्यक्तियों को इन उन्नत तकनीकों को संचालित करने के कौशल से लैस करेगा, जिससे आधुनिक कृषि के लिए महत्वपूर्ण कुशल ड्रोन पायलटों की एक नई पीढ़ी तैयार होगी।
- प्रौद्योगिकी-संचालित खेती में यह बदलाव कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देगा और किसानों को संसाधन प्रबंधन के लिए कुशल उपकरणों से सशक्त करेगा।

भाकृअनुप-केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान श्रीनगर (जम्मू कश्मीर) के निदेशक डा. महेंद्र कुमार वर्मा ने बिक्री काउंटर सराहना की। विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान अल्मोड़ा के निदेशक डा. लक्ष्मी कांत ने पहाड़ी कृषि पर अपने और अपने संस्थान के अनुभव को साझा किया। निदेशक डा. एम मधु ने बताया कि ड्रोनियर एविएशन नई दिल्ली के सहयोग से ड्रोन प्रशिक्षण केंद्र अपने आप में अनूठा है, जिसका उद्देश्य कृषि उपयोग, सर्वेक्षण, स्प्रे और क्षेत्र के प्रबंधन के लिए है। उन्होंने बताया कि यह पूरे आईसीएआर संस्थानों में अपनी तरह का पहला है। ड्रोनियर एविएशन के सीईओ आरएस सिंह ने ड्रोन पायलट प्रशिक्षण के महत्व के बारे में कहा कि प्रशिक्षण और लाइसेंस के बिना हमारे देश में किसी को भी ड्रोन उड़ाने की अनुमति नहीं है। इससे पहले ओआईसी रिसर्च फार्म डॉ. एम शंकर ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। डा. पीआर ओजस्वी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रगतिशील किसान दीपा तोमर ने जैविक खेती और उससे होने वाले लाभों के बारे में बताया। कार्यक्रम में 50 किसान, 20 उद्यमी, संबंधित विभागों के अधिकारी, नाबार्ड, केवीके ढकरानी, सेवानिवृत्त वैज्ञानिक और कर्मचारी शामिल हुए।